प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक : 14 अप्रैल, 2026 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज लोक भवन, राँची में भारतीय संविधान के शिल्पकार एवं महान समाज सुधारक बाबासाहेब 'भारत रत्न' डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके प्रति अपनी श्रद्धा-सुमन अर्पित की।

---

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज डोरंडा, राँची स्थित अंबेडकर चौक जाकर भारतीय संविधान के शिल्पकार एवं महान समाज सुधारक भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके प्रति श्रद्धा-सुमन अर्पित की।

उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय ने उपस्थित पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर न केवल भारतीय संविधान के शिल्पकार थे, बल्कि संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने

देश को ऐसा संविधान प्रदान किया, जो लोकतंत्र, समानता, स्वतंत्रता एवं बंधुत्व के मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि उनके इस महान योगदान के कारण हमें विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र का नागरिक कहलाने का गौरव प्राप्त है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि बाबासाहेब ने देश को एक सशक्त, समावेशी एवं न्यायपूर्ण दिशा प्रदान की। उनके द्वारा निर्मित संविधान ने प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता एवं गरिमा के साथ जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त किया।

उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, संकल्प एवं आत्मविश्वास का प्रेरणादायी उदाहरण है। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने उच्चतम शिक्षा प्राप्त कर समाज में व्याप्त भेदभाव एवं असमानता के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा समाज में परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है।राज्यपाल महोदय ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम उनके विचारों एवं आदर्शों को केवल स्मरण ही न करें, बल्कि उन्हें अपने आचरण में भी आत्मसात करें। एक समरस एवं सशक्त समाज के निर्माण में सबकी सक्रिय भागीदारी ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(3) माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार से आज राँची विश्वविद्यालय, राँची की नवनियुक्त कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल महोदय ने उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि वे उच्च शिक्षा में गुणात्मक विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि राँची विश्वविद्यालय राज्य का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है। उन्होंने यह भी कहा कि वे चाहते हैं कि राज्य में उच्च शिक्षा का ऐसा वातावरण स्थापित हो, जिससे अन्य राज्यों के विद्यार्थी भी यहाँ शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित हों तथा यहाँ के विश्वविद्यालयों की गणना राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट संस्थानों में हो।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ अनुशासन, शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर भी बल दिया।

(4) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज महानिदेशक, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवाएं श्री एम.एस. भाटिया ने लोक भवन, राँची में भेंट की तथा 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' के अवसर पर उन्हें बैज लगाया।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने अग्निशमन सेवाओं की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में अग्निशमन कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि ये कर्मी अपने कर्तव्यनिष्ठा, साहस एवं तत्परता से जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

राज्यपाल महोदय ने 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' के माध्यम से जन-सामान्य में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की तथा सभी से सुरक्षा उपायों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

(5) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदित्य साहू के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश का एक शिष्टमंडल ने लोक भवन, राँची में भेंट की तथा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) द्वारा हाल में आयोजित उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में कथित पेपर लीक प्रकरण के संबंध में एक ज्ञापन समर्पित किया।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि उक्त परीक्षा में व्यापक स्तर पर अनियमितताओं एवं प्रश्नपत्र लीक की आशंका व्यक्त की जा रही है। इस संदर्भ में विभिन्न समाचार माध्यमों में प्रकाशित तथ्यों एवं जांच के दौरान हुई गिरफ्तारियों तथा बरामद सामग्रियों का उल्लेख करते हुए मामले की गंभीरता की ओर ध्यान आकृष्ट कराया गया है।

राज्यपाल महोदय से शिष्टमंडल द्वारा ज्ञापन के माध्यम से उक्त प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जाँच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) से कराए जाने हेतु आवश्यक पहल करने का आग्रह किया गया है, ताकि तथ्य स्पष्ट हो सकें एवं दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

उक्त अवसर पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष, झारखण्ड विधानसभा श्री बाबूलाल मरांडी, विधानसभा सदस्य श्री सी.पी. सिंह एवं श्री नवीन जयसवाल समेत अन्य मौजूद थे।